विषयानुक्रमणिका

पहला अध्याय:

पुराख्यान तत्व तथा नाटक: सैद्धान्तिक पृष्ठभूमिका पृ: 11

पुराख्यान व्युत्पत्तिपरक अर्थ तथा परिभाषा
पुराणों की संख्या और प्रतिपाद्य विषय
पुराख्यान और मिथक
पुराख्यान और इतिहास
पुराख्यान तथा मनोविज्ञान
पुराख्यान जीवन और साहित्य
नाटक: उत्पत्ति विषयक सिद्धान्त तथा विकास सूत्र
नाटक: व्युत्पत्ति स्वरूप और परिभाषा
नाटक: तत्व विवेचन- वस्तु, नेता, रस, अभिनय ।

द्वितीय अध्याय:

आधुनिक कालीन परिवेश तथा हिन्दी नाटक का विकास क्रम पृ: 52

आधुनिक काल का परिवेश तथा सीमांकन
धार्मिक सांस्कृतिक परिवेश
राजनैतिक परिवेश
पारिवारिक-परिवेश
आर्थिक परिवेश,
आधुनिक काल से पूर्व के हिन्दी नाटक और पुराख्यान
हिन्दी नाटक का विकास क्रम ।

तृतीय अध्याय:

आधुनिक काल से पूर्व रचित नाटक और पुराख्यान पृ: 118

संस्कृत नाटक और पुराख्यान

भास के नाटक

कालिदास के नाटक

भट्टनारायण के नाटक

भवभूति के नाटक

मुरारी के नाटक

राजशेखर के नाटक

क्षेमीश्वर के नाटक

कुलशेखर के नाटक

मधुसूदन मिश्र और दामोदर मिश्र के नाटक

रामचन्द्र के नाटक

वत्सराज के नाटक आदि

चतुर्थ अध्याय:

आधुनिक हिन्दी नाटक में प्रयुक्त आधारभूत पुराख्यान पृ: 140

वेनु, राम, राम भक्ति सम्प्रदाय, देवयानी, कीचक, भीष्म
राधा, रावण, सीता, नहुष, ध्रुव, अंजना, शिव,
उद्धव, पार्वती, दुर्योधन, बभ्रुवाहन, लक्ष्मण, उर्मिला,
जनमेजय, मोरध्वज, चन्द्रहास, घटोत्कच, कुब्जा,
युधिष्ठिर, भीम, शकुन्तला, सावित्री, परीक्षित,
ध्रुव, अभिमन्यु, अम्बा, अर्जुन, कर्ण, द्रौपदी, नल,
उषा, दमयन्ती, नारद कंस, सुदामा, रुक्मिणी।

पांचवां अध्याय: कृष्ण कथाश्रित आधुनिक हिन्दी नाटकों का अध्ययन पृ: 180

हरतालिक नाटिका, कृष्ण-सुदामा, रुक्मिणी हरण,
कंसवध, नन्दोत्सव, ललिता, महारास नाटक, द्रौपदी
हरण, दमयन्ती हरण, उद्धव बसीठि, ध्रुव तपस्या, मोरध्वज,
उषाहरण, कुंज विहार, द्रौपदी वस्त्रहरण,

3

श्यामानुराग, अभिमन्युवध, शील सावित्री,
प्रभास मिलन, सावित्री, नंदविदा, परीक्षित,
श्रीदामा, नलदमयन्ती, अनर्घ नल चरित्र, सुदामा,
शिवशिव, वेणु संहार, उद्धव, श्रीकृष्ण कथा व
कंस वध, होली नाटक, धुर्मुख, कुरुक्षेत्र, श्रीकृष्ण
अवतार, द्रौपदी स्वयंवर, सावित्री सत्यवान,
राजतिलक अर्थात किरातार्जुन युद्ध नाटक, श्रीकृष्ण
सुदामा, देवीदेवयानी, श्रीकृष्ण जन्म, भीम प्रतिज्ञा,
कर्तव्य, भीम विक्रम, विद्रोहिणी अम्बा, द्वापर की
राज्यक्रान्ति, गंगा का बेटा, केली गोपाल, सुभद्रा
परिणय, राधा कृष्ण, राधा, देवयानी, श्रीकृष्ण,
जनमेजय का नागयज्ञ, श्री सुदामा कृष्ण, कंसवध,
सती चरित्र, शकुन्तला, खांडव दहन, कृष्णार्जुन युद्ध,
भीम प्रतिज्ञा, पांडव प्रताप अथवा सम्राट युधिष्ठिर,
रुक्मिणी परिण, भीष्म, कृष्णापमान, अज्ञातवास,
पूर्वभारत, उत्तरभारत, देवयानी, छद्मयोगिनी, कीचक,
कुलकला, वासना वैभव, उषा-अनिरुद्ध, सूत का पूत,
कर्ण, सुभद्रा परिणय, कर्ण, अभिमन्यु चक्रव्यूह में,
अर्जुन की पराजय, अवतार, अश्वत्थामा, इन्द्र विजय,
उत्तरजय, उषाहरण, एक कंठ विषपायी, चक्रव्यूह, चक्रव्यूह
वचन का मोल, स्वर्गभूमि के यात्री, पर्वदान, अज्ञातवास, नलदमयन्ती,
गुरुद्रोणाचार्य का अस्त्रनिरीक्षण, गंधर्व विवाह,
अंधायुग, कृष्ण सुदामा, नहुष निपात, कृष्णजन्म,
भीम प्रतिज्ञा, द्रौपदी चीरहरण, जरासंधवध, सूतपुत्र,
भीष्म प्रतिज्ञा, गांधारी ।

छठा अध्याय:

रामकथाश्रित आधुनिक हिन्दी नाटक पृ: 242

रामकथा की प्राचीनता

रामलीला नाटक, आनन्द रघुनन्दन नाटक, सीताहरण नाटक, रामाभिषेक नाटक, रामलीला विजय नाटक, रामलीला, रामलीला बालकांड नाटक, रामलीला अयोध्याकांड, सुलोचना सती, लव जी का स्वप्न, रामलीला सुन्दरकांड, रामयज्ञ दर्पण, रामचरित्र, सीताहरण, सीतावनवास, सीता स्वयंवर, सीता स्वयंवर नाटक, प्रयाग रामागमन, श्रीराम लीला रामायण नाटक, सीता वनवास, जनक बाग दर्शन, रामलीला, रामाभिषेक, राम वनयात्रा, रामलीला, रामचरित्रोद्दीपन नाटक, धनुषलीला नाटक श्रीराम राज्य वियोग नाटक, रावण, उर्मिला, अभिनय रामायण, आदर्श राम, राम नाटक, श्रवणकुमार, श्रवण कुमार, कर्तव्य(पूर्वार्द्ध), मेघनाद, श्रवण कुमार, कैकेयी, कैकेयी कल्याण, शबरी, सुमित्रा,

सातवाँ अध्याय:

पुराणकथाश्रित हिन्दी नाटक पृ: 269

पौराणिक आधार तथा हिन्दी नाटक

दिलीप, सुदर्शन, मांडुर्ग, ययातिनाटक, जनमेजय का नागयज्ञ, समर विजय, श्रीवत्स, देवयानी, श्री शुक, भीष्म प्रतिज्ञा, भीष्म प्रतिज्ञा, सत्यहरिश्चन्द्र, चन्द्रावली, वेणु संहार, लक्ष्मी सरस्वती मिलन, ध्रुव तपस्या,

रतिकुसमायुध, उषाहरण, उषाहरण, ध्रुव चरित्र, हरिश्चन्द्र, राजा हरिश्चन्द्र, प्रद्युम्न विजय, शिवाशिव, उर्वशी, सती चरित्र, शकुन्तला, कुरुवनदहन, उषा, देवचरित, अन्जना, वरमाला, सतीसुकन्या, ययाति, आदर्श कुमारी ।

आठवाँ अध्याय:

पुराख्यानाश्रित नाटकों में अवतरित प्रमुख पुरापात्रों का स्वरूप — पृ: 295

नाटक में चरित्र परिकल्पना के आयाम

राम चरिताश्रित प्रमुख पुरापात्रों का स्वरूप

कृष्ण चरिताश्रित प्रमुख पुरापात्रों का स्वरूप

महाभारत एवं अन्य प्रमुख पुरापात्रों का स्वरूप

उपसंहार — पृ: 343

परिशिष्ट — पृ: 350